खबर वही जो सरकार छिपाए, बाकी सब विज्ञापन

दैनिक

स्वराज्य अभियान

तंत्र के प्रभाव, दबाव से मुक्त तथा राष्ट्र व समाज के लिए समर्पित एक मात्र समाचार पत्र

भोपाल संस्करण www.swarajyanews.in शुक्ल पक्ष सप्तमी भोपाल बुधवार 29 अक्टूबर 2025 संपादक-पं. एस.के. भारद्वाज वर्ष-16 अंक-99 , पृष्ठ-8

भोपाल जिले के शासकीय कृषि फार्म चाचेड़ में

जमीन सरकारी और चरनोई भूमि गौ शाला की

उस पर फसल पैदावार अधिकरियों की

स्वराज्य न्यूज नेटवर्क/9755598108

भोपाल। भोपाल जिले के बैरसिया ब्लॉक में स्थित शासकीय कृषि फार्म चाचेड़ में बड़े पैमाने पर भूमि पर अवैध किसानी और कृषि विभाग के भ्रष्ट अधिकरियों का कारनामा सामने आया है। उपसंचालक कृषि और फार्म प्रबंधन पर आरोप है कि उसने शासकीय भूमि और चरनोई भूमि पर अतिक्रमित कर धान और सोयाबीन की फसलों की उपज क्षेत्रफल में कागजी हेराफेरी कर शासन को लाखों रुपए का चूना लगाया जा रहा है।सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार, शासकीय कृषि फार्म में धान की फसल का क्षेत्र 30 एकड़ दर्ज किया गया है, जबकि वास्तविकता में धान की बुवाई 50 एकड़ भूमि पर की गई है। इसी प्रकार सोयाबीन की फसल में भी आंकड़ों में हेराफेरी कर अधिक उत्पादन दिखाया गया है।

बताया जा रहा है कि अतिरिक्त उत्पादन को मंडी/खुले बाजार में बेचकर प्राप्त राशि अधिकारियों और कर्मचारियों में आपस में बांट ली जाती है।वहीं, शासन द्वारा गौशाला के लिए आवंटित 50 एकड़ चरनोई भूमि का भी दुरुपयोग किया जा रहा है। उक्त भूमि पर गौशाला में पल रही गायों को चारा मिलने के बजाय अधिकरियों द्वारा खेती की जा रही है, और गायों की स्थिति खुले मे चरने के अभाव में दयनीय बनी रहती है। तथा वहीं प्राप्त आय का हिसाब कहीं नहीं दिया जा रहा। गौशाला में मौजूद गायों की हालत भी दयनीय बताई जा रही है। मानों गाय यहॉ गौ शाला में न रह कर कारागार में सजा भुगत रही है।

चर्चा यह भी है कि शासकीय कृषि फार्म चाचेड़ में मनपसंद अधिकारियों की पोस्टिंग लेन देन से करवाई गई है, इसी कारण से उसकी भरपाई करने के लिए पूरे भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा हैं। इसके पूर्व भी इसी फार्म भूमि के जिम्मेदार अधिकारियों पद के दुरूपयोग और भ्रष्टाचार को लेकर समाचार प्रकाशित हुए हैं, लेकिन विभागीय अथवा शासन स्तर पर आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जिससे अन्य ईमानदार कर्मचारियों में भय और आम जन में निराशा हो रही है। स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों ने दैनिक स्वराज्य अभियान को बताया कि उनकी शासन से मांग है कि फार्म की भूमि का सीमांकन करा कर विस्तृत जांच की जानी चाहिए । आरोपियों का सबसे पहले अन्यत्र स्थानान्तरण करने के बाद, आरोपियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और गौ शाला की चरनोई भूमि को मुक्त कराते हुए पुण्य कार्य करना चाहिए।,इससे दो कार्य होगें शासन को हो रहे आर्थिक नुकसान पर रोक लगेगी और गौ शाला में गऊ धन को चारा और सुरक्षा भी मिल सकेगी।